दिनांक 30.05.74 की अव्यक्त वाणी पर आधारित मुरली कविता

❋ एवररेडी बनकर तुम रूहानी मिलिट्री में आओ

❋ अपने स्थूल मैडल को सेवा का साधन बनाओ

❋ एवररेडी रहने वाले विजयमाला में पिरोए जाते

❋ साक्षी और साथीपन के वे कवचधारी बन जाते

❋ सर्वशक्तियाँ उनकी सेवा में हर पल तैयार रहेगी

❋ उनके भाल पर आत्मा मणी चमकती ही रहेगी

❋ उनके नैन लाइट माइट से सबको राह दिखाएंगे

❋ मुक्ति और जीवनमुक्ति हर आत्मा को दिलाएंगे

❋ उनके हर्षित चेहरे से हर आत्मा दुख भुलायेगी

❋ उनकी झलक मात्र ही औरों को हर्षित बनाएगी

❊ सेकण्ड और संकल्प का महत्व समझते जाओ

❊ इनको सेवा में लगाकर खुद को महान बनाओ

❊ परखने की शक्ति स्वयं और सेवा प्रति लगाओ

❊ इसी विधि से अपनी हर कमजोरी को मिटाओ

❊ योगी भव पवित्र भव का मिला बाप से वरदान

❊ वरदान स्वरूप बनकर बन जाओ बाप समान